

चाहूँ न मै प्रभू माल खजाना,
बस मुझको इतना बतलाना,
भव कैसे मै तरूंगा,
भव कैसे मै तरूंगा ॥

तर्ज चाहूंगा मै तुझे साँझ सवेरे ।

दानी नही ध्यानी नही,
मूरख हूँ मै ज्ञानी नही,
दाता मेरे गुरू सरकार पार,
भव कैसे मै करूंगा,
चाहूँ न मै प्रभू माल खजाना ॥

आया न कभी दर पे तेरे,
गठरी लदी सर पे मेरे,
दाता मेरे गुरू सरकार पार,
भव कैसे मै करूंगा,
चाहूँ न मै प्रभू माल खजाना ॥

नैया फँसी भँवर मे मेरी,
अर्जी यही चरणो मे मेरी,
दाता मेरे गुरू सरकार पार,
भव कैसे मै करूंगा,
चाहूँ न मै प्रभू माल खजाना ॥

चाहूँ न मै प्रभू माल खजाना,
बस मुझको इतना बतलाना,
भव कैसे मै तरूंगा,
भव कैसे मै तरूंगा ॥

भजन लेखक एवं प्रेषक
श्री शिवनारायण वर्मा,
मोबा.न.8818932923

वीडियो उपलब्ध नहीं ।

Source: <https://www.bharattemples.com/chahu-na-main-prabhu-maal-khazana/>



Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw>